PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Thursday 15th May 2014, Page: 7
Width: 12.01 cms, Height: 14.39 cms, a4, Ref: pmin.2014-05-15.43.66

एफडीआई से दवा क्षेत्र में भला नहीं

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

पिछले दस-बारह वर्षों के दौरान देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश फार्मा क्षेत्र को छोड़कर बाकी क्षेत्रों में घटा है। फार्मा क्षेत्र में करीब 57 हजार करोड़ रुपये का विदेश निवेश आया है। लेकिन यह निवेश इस क्षेत्र का भला नहीं कर पाया क्योंकि 96 फीसदी निवेश भारतीय दवा कंपनियों को खरीदने के लिए इस्तेमाल हुआ।

सरकार के भीतर इस मुद्दे पर विरोध के स्वर उठे लेकिन उसने अपनी नीति नहीं बदली और अपनी आखिरी बैठक में भी कैबिनेट ने इसी किस्म के दो सौदों को मंजूरी दी। पिछले कुछ सालों के दौरान तेजी से बड़ी भारतीय दवा कंपनियों को विदेशी कंपनियों ने खरीदा है। इनमें रैनबैक्सी से लेकर अब हैदराबाद की ग्लैंड फार्मा तक शामिल हो चुकी हैं। जबकि स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस प्रकार के अधिग्रहण का विरोध किया था। तर्क यह था कि इससे भविष्य में सस्ती दवाएं एवं टीके महंगे हो सकते हैं।

औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के आंकड़े देखें तो 2001 के बाद से अब तक देश में 57386 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया है जो सभी क्षेत्रों में सर्वाधिक है। लेकिन इसमें से सिर्फ चार फीसदी ही जो करीब 2,290 करोड़ है, ग्रीनफील्ड क्षेत्र में आया है।

यानी वह ऐसा निवेश था जो कंपनियों के अधिग्रहण के लिए नहीं बल्कि उनके विस्तार के लिए हुआ। ऐसा निवेश रोजगार बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में कारगर होता है।

जिन बड़ी कंपनियों के अधिग्रहण पिछले पांच छह सालों के दौरान हुए हैं उनमें रैनबक्सी, डाबर फार्मा, मैट्रिक्स लैब, शांता बायोटैक, आर्चिड केमिकल्स तथा पीरामल हेल्थकेयर शामिल हैं। छोटी और मझोली कंपनियों की बात करें तो एसएमएस फार्मा की कैंसर यूनिट एवं स्ट्राइड्स आर्कोलैब्स के इंजेक्टेबल बिजनेस को अमेरिका की मायलान इंक ने अधिग्रहित कर लिया है।

निवेश का सच

- दवा क्षेत्र में 96 फीसदी एफडीआई भारतीय कंपनियों को खरीदने के लिए आया
- सरकार के भीतर ही विरोध के स्वर उठे मगर आखिरी दम तक नहीं बदली नीति

चुनाव डायरी [illegible] दिया विराम

नई दिल्ली। राज्यसभा में विप[illegible] अरुण जेटली ने चुनाव अभिया[illegible] अपनी चुनाव अभियान डायरी [illegible] दे दिया है। अमृतसर से [illegible] उम्मीदवार बनने के बाद जेटल[illegible] मार्च से इस कॉलम को शुरू किय[illegible] 12 मई को समाप्त कर दिया।

उन्होंने लगभग तीस डायर[illegible] साथ में कुछ लेख भी लिखे। लगातार अपने विरोधियों पर ती[illegible] करते रहे और पार्टी के अभिया[illegible] बढ़ाते रहे। इस डायरी के पहले[illegible] दिसंबर से ही अपने ब्लॉग को के जरिए शुरू किया था। बाद [illegible] चुनाव मैदान में उतरे तो उसे कैं[illegible] में बदल दिया गया जो रोज के [illegible] पर आधारित रहती थी। (विशे[illegible]

मालगाड़ी के 13 डिब्बे और दो इंजन पुल से गिरे: रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में कातलूर और कुमारसोडरा स्टेशन के बीच नक्सलियों ने दो पुलों से गुजर रही पटरी पर तोड़फोड़ की, जिससे बुधवार सुबह पांच बजे मालगाड़ी के 13 डिब्बे और दो इंजन पुल के नीचे गिर गए। घटना से रेल मार्ग अवरुद्ध हो गया है। (एजेंसी)